



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 19, 1989/चैत्र 29, 1911
No. 207] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 19, 1989/CHAITRA 29, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पश्चिम पक्ष)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1989

सा० का० नि० 451 (अ):— न्हावा शेवा पोर्ट पायलटेज एवं अन्य सेवा (शुल्क)
आदेश, 1988 जिसका भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं०

सातों कासें निसें 1147 “अ” दिनांक 5 दिसम्बर, 1988 को भारत के अध्यापन राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में पृष्ठ 2-3 पर प्रकाशन हुआ था, उसमें—

पृष्ठ 2, अनुसूची में मद सं० 4 पर “30001-60, 500 जीआरटी” के स्थान पर “30001-60000 जीआरटी” पढ़ें।

पृष्ठ 2, अनुसूची में मद सं० 5 पर “600,001—1,00,000 जीआरटी के स्थान पर “60,001—1,00,000 जीआरटी” पढ़ें।

पृष्ठ 3, टिप्पणी की पंक्ति 7 में “चार्ज” के स्थान पर “चार्जेज” पढ़ें।

पृष्ठ 3, टिप्पणी की पंक्ति 14 में “निवृत्ति (सब्सिक्वेन्ट)” के स्थान पर “तदनन्तर (सब्सिक्वेन्ट)” पढ़ें।

[फाइल सं० पीआर-14011/25/88-पीजी]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

CORRIGENDA

New Delhi, the 19th April, 1989

G.S.R. 151 (E) :—In the Port of Nhava Sheva Pilotage and other service [(fees) Order, 1988, published with the notification of the Govt. of India in the Ministry of Surface Transport No. GSR 1147 ‘E’, dated 5th December, 1988 at pages 2-3 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II Section 3, Sub-section (i) —

at page 2, at Item No. 4 in the schedule, for “30001-60,500 GR I”, read “30001-60000 GRT”.

at page 2, at Item No. 5 in the schedule, for “600,001 1,00,000 GR I” read “60,001-1,00,000 GRT”.

at page 3, in Note, line 7, for “charges”, read “charges”.

at page 3, in Note, line 14, for “Subsequent”, read “Subsequent”.

[File No PR-11011/25/88-PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.